Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–235

B.A. (Part–III) DUE Part–II Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - II

(मध्यकालीन राजस्थानी गद्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सके)

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

प्रत्येक 2

1. नीचै लिख्यां सवालां रौ पङूत्तर लिखो (सबद सीमा : **50** सबद) :

(i) 'कहवाट विलास' पोथी रा संपादक रौ नांव बतावो।

(ii) अनंतराज रै राज्यमंत्री रौ नांव कांई हो ?

(iii) कहवाट सरवहिया कठै रौ राजा हो ?

(iv) ऊ को भाणेज अर कहवाट रै बिचाकै कांई संबंध हो ?

(v) पाबूजी री घोड़ी रौ नांव बतावो।

(vi) सैणी चारणी किण सूं वचन लियो ?

(vii) कुंवर सी सांखलो रै पिता रौ नांव बतावो।

(viii) 'ख्यात' रौ कांई ऊरथ होवै है ?

(ix) कोई अेक प्रेम प्रधान राजस्थानी बात रौ नांव लिखो।

(x) 'अचलदास खीची री वचनिका' रौ रचनाकार रौ नांव लिखो।

खण्ड–ब

प्रत्येक 8

नीचै लिख्या सवालां मांय सूं कोई **पांच** रौ पङूत्तर दिरावो (सबद सीमा : **200** सबद) :

नीचै लिख्या गद्याशां री सप्रसंग व्याख्या करौ–

2. "रेसांमियो दातार असड़ो हूवी, मंगत जिके आय जांचे, त्रिण नूं नाकारो न करै, इसड़ो हुवो, परधान कहण लगा, 'रेसामियां', धे रुख माल मंगेत जन नूं दे बैठा, थां कन्है किम नहीं। थाहरा भाई सुखी। थीं कनै सखरी कपड़ो रहे नहीं।"

3. ''बारह वरस पातिसाह समियाणै रह्यौ, जाय्हरां समियाणो न लीजै, ताहरां पातिसाह अपूठो दिली नूं हालियो। सात को सै काणियाणू जार उतरियो सातल आदमी मैल्हिया, पातिसाह नूं अपूठो बुलायो–हजरत, आपूण आयी जै, मैं कोट द्यू, हजरत का बोल गात जोवता है।''

4. ''कुंवरसी भरमल ले नै घरै आया ताहरां बाप कहै, 'ई यै बहू नूं घर मांहै नहीं घालूं।' ताहरां भरमल रासीसर रही छै, एक दिन सांखळौ खींवसीह सिकार गयौ हंतौ, सु सवर बासे दिया हूता, सुं जावतां जावतां रासीसर गयौ।''

5. ''इण भांत सूं पोहीर अेक तरवार वाजी कबियो निराठ आछी कीनो सूर सामंत काम आया नै रिड़मल जोइया नै ढ़ालां री ओट दे नै पकड़ लीनो सो इण रीत सूं छळकर, बळकर, दावकर, जुधकर अेक सौ अेक राजां नै पकड़िया।''

6. ''ओ वचन सुण ऊकैजी कही-आ तो पारख लोस्यां ढाल रो नीसांणो कर गोळी की तो अलबत्त ही देस्यां। सो ढाल रो नीसाणो कर गोळी री दिराई। गोळी लागी जठा सूरंग री चीड़क ही उड्बा न पाई।

7. 'पाबूजी री बात' रौ सार आपरै सबदां में मांडो।

8. 'कहवाट विलास' रै किणी अेक चरित्र सै चित्रण करौ।

खण्ड–स प्रत्येक 20

नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवालां रौ पड़ूत्तर दिरावो (सबद सीमा : **500** सबद)।

9. 'कहवाट विलास' रै आधार माथै मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति रौ परिचै दिरावो।

10. 'कुंवरसी सांख लो' री बात री समीक्षा करौ।

11. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य री परम्परा माथै सांतरौ लेख लिखो।

12. राजस्थानी बात साहित्य री परम्परा माथै अेक टीप लिखो।